RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 41 अंक 31 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 5 जनवरी 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

2025 विदा.....2026 स्वागत

श्रीमती नौमी रावत से बातचीज

संघर्ष से ही हमारी मंजिल है

कार्यालय प्रतिनिधि

वर्ष 2025 की विदाई और वर्ष 2026 के स्वागत पर अल्मोड़ा में सेवानिवृत्त जिला प्रोविजन (प्रावधान) अधिकारी श्रीमती नौमी रावत से पिघलता हिमालय की वार्ता उन सभी के लिये प्रेरणादायी है जो संघर्षमयी जीवन से गुजरे हैं। श्रीमती रावत कहती हैं- जीवन के तमाम उतार चढ़ाव हमें सीख देते हैं, ऐसे समय पर संयमित रहना जरूरी है। संघर्ष से ही हमारी मंजिल है।

महान सर्वेयर पं. किशन सिंह रावत के परिवार की बहू नौमी रावत के बारे में बताते हैं- माता श्रीमती गंगा देवी व पिता स्व. भवान सिंह टोलिया की पुत्री हैं नौमी जी। इनका विवाह प्रद्युमन सिंह रावत जी से हुआ। पं.किशन सिंह जी की बात करें तो उनके पुत्र तहसीलदार दुर्गा सिंह, कुन्दन सिंह, शेर सिंह हुए। दुर्गासिंह रावत के घर राजेश्वर रावत और महेश्वर रावत जी ने जन्म लिया। इस परिवार की तुलसी देवी का नाम बहुत ही आदर से लिया जाता है क्योंकि उन्होंने अल्मोड़ा में पठन पाठन को आने वाले बच्चों को बहुत संरक्षण दिया था और सामाजिक भागीदारी में अग्रणीय रहीं। स्व. कुन्दन सिंह के परिवार में सुशीला देवी, कमाण्डर ज्योति सिंह रावत, रंजीत सिंह, बसन्ती देवी, खुशाल सिंह, प्रेमवधा रावत, प्रद्युमन सिंह रावत हुए। इसी प्रकार स्व. शेर सिंह रावत जी के परिवार में लीला देवी, हरीश चन्द्र सिंह रावत हुए। एवरेस्ट विजेता हरीश चन्द्रसिंह रावत के परिवार में धीरेन्द्र रावत, वीरेन्द्र रावत का नाम उल्लेखनीय है। सीधे बात नौमी जी करें तो इनके सुपुत्र बेहद जागरुक समाजसेवी दिग्विजय सिंह रावत (दीपू) हैं और इनकी दो पुत्रियां- जूही और गरिमा हैं।

डीडीहाट में टोलिया परिवार की पुत्री नौमी जी ने जूनियर हाईस्कूल दिगतड़ यानी डीडीहाट से किया। वह बताती हैं कि पढ़ने के लिये नारायण नगर पैदल जाते थे। धन सिंह पांगती जी का शिक्षक के रूप में सभी बच्चों को संरक्षण था। इसके बाद गृह विज्ञान की अनिवार्यता के कारण पिथौरागढ़ भी गये। संसाधनों के आभाव में उन दिनों डीडीहाट से ओगला तक पैदल जाना होता था। कुन्दन सिंह जी का सहयोग विद्यार्थियों को मिलता रहा। इसके बाद मुनस्यारी से इण्टर किया और फिर पिथौरागढ़ में स्नातक की पढ़ाई हुई। भाई नन्दन सिंह टोलिया ट्रेजरी आफिसर थे और उन्हीं दिनों पिथौरागढ़ में बीए का प्रथम बैच शुरू हुआ था।

सन् 1965 में पढ़ाई के बाद सन् 1966 में इनका विवाह प्रद्युमन सिंह रावत जी से हो गया था। 1 जनवरी 1966 को मुख्य सेविका की नौकरी में करते हुए 6 माह में नौकरी छोड़ दी और बरेली से बीएड किया। उस समय प्रद्युमन सिंह जी बरेली एयरफोर्स में थे। तय किया था कि बरेली में ही नई दुनिया की बसाएंगे लेकिन स्वास्थ्य कारणों से प्रद्युमन जी

शेष पृष्ठ 2 पर

भारत के मीलपत्थर

सामाजिक मर्यादा जो श्वेतकेतु ने कायम की

सूर्यकान्त बाली

श्वेतकेतु नामक अपने समय की जबर्दस्त हस्ती से मुलाकात करने से पहले एक बार सूर्या सावित्री को याद कर लीजिए जिसने अपने विवाह में प्रयोग करने के लिये मन्त्रों की रचना कर इस देश की विवाह संस्था को एक नया आयाम दे दिया था। सूर्या सावित्री ने विवाह सूक्त इसलिए रचा था क्योंकि अपने समय में विवाह सम्बन्ध कुछ शर्तें तय कर देने के आधार पर हुआ करते थे। पुरुष की शर्तें स्त्री पूरा कर दे, स्त्री की शर्तें पुरुष कर दे या उनके माता पिता एक दूसरे की शर्तें पूरी कर दें या उनके माता पिता एक दूसरे की शर्तें पूरी करने को मान जाएँ तो विवाह हो जाया करते थे। सूर्या सावित्री को इस तरह के शर्त बंधे विवाह सम्बन्धों में सम्वेदनशून्यता दिखाई दी और इस कमी को पूरा करने के लिए उसने विवाह में हार्दिक सम्बन्ध को, अनुराग और प्रेम को महत्व देने के लिए विवाह सूक्त रचा, इस सारी थीम पर हम काफी लिख चुके हैं।

सूर्या महाभारत के करीब सवा सौ-डेढ़ सौ साल पहले हुई थी और जिस महापुरुष श्वेतकेतु की चर्चा हम आज कर रहे है। वे उस देश में महाभारत के सौ-सवा सौ साल बाद हुए थे। सूर्या ने विवाह को सम्वेदन से जोड़ा था तो श्वेतकेतु ने उसे सामाजिक मर्यादाओं से जोड़ दिया। सम्वेदना का रिश्ता यकीनन सामाजिक रिश्तों से ज्यादा गहरा होता है। पर इस तरह की सम्वेदना कितनी विरल, कितनी दुर्लभ होती है, इसका उदाहरण वे विचित्र सम्वेदनशून्य रिश्ते थे जो महाभारत की विभिन्न कथाओं में हमें बिखरे पड़े मिलते हैं। आइए, इन रिश्तों में पसरी सम्वेदनहीनता के एक सुविख्यात शिखर उदाहरण से आपका एक बार फिर से परिचय कराएँ। मछली की आँख को बाण मारने की शर्त पूरी कर जब अर्जुन द्रोपदी को ब्याह कर अपनी माँ कुन्ती के पास ले आया तो युधिष्ठिर ने कहा, देखो तो माँ हम भिक्षा में क्या लाए हैं। (भिक्षा इसलिए कि तब वारणावत से बचकर कुन्ती और पाँचों पाण्डव एक गाँव में ब्राह्मण वेश बनाकर रह रहे थे)। भिक्षा वाली बात सुन कुन्ती ने बिना देखे कि भिक्षा में क्या लाया है, सहज रूप से कह दिदया कि पाँचों भाई आपस में बाँट लो और बस इसी से तय हो गया कि द्रोपदी पाँच भाइयों की साझा पत्नी बनेगी। एक स्त्री के प्रति इससे बढ़कर सम्वेदन हीनता और क्या हो सकती है? पहले उसे भिक्षा कहा गया, फिर उसे पाँचों में बाँट दिया गया।

इसी सम्वेदनहीनता ने यानी अनुराग और प्रेम के बृहद शून्य ने महाभारत काल के स्त्री पुरुष सम्बन्धों को मर्यादाहीन बना दिया था जिन्हें मर्यादा में बाँधने के लिए श्वेतकेतु ने नियमों की स्थापना कर दी। श्वेतकेतु ने ही क्यों की? किसी और ने क्यों नहीं की? जवाब हो सकता है कि किसी न किसी को तो एक दिन उस उच्छृंखल समाज के लिए नियमों का बन्धन बनाना ही था। पर इतना जवाब काफी नहीं क्योंकि श्वेतकेतु अपने युग के एक बड़े दार्शनिक होने के साथ-साथ एक सम्वेदनशील व्यक्ति भी रहे थे जिसने उन्हें इस देश का (शायद) पहला समाज सुधारक भी बना दिया। श्वेतकेतु की सम्वेदना को दो घटनाओं ने बहुत ज्यादा आहत किया था। एक घटना के अनुसार उनके पिता के एक शिष्य ने उनकी माँ के साथ दुर्व्यवहार की कोशिश की थी तो दूसरी घटना के अनुसार उन्हीं के एक मित्र ने उनकी पत्नी को एक पुत्र की प्राप्ति के निमित्त माँग लिया। श्वेतकेतु ने उसे मना कर दिया पर श्वेतकेतु की सम्वेदना को झकझोरने के लिए दो घटनाएँ काफी थी, एक जो उन्होंने सुनी और एक जो उन्होंने खुद भुगती। भविष्य में कोई किसी की पत्नी की ओर कुदृष्टि न डाल सके और समाज में स्त्री पुरुष सम्बन्धों में मर्यादा का समावेश हो, उसके लिए श्वेतकेतु ने नियम बना दिया कि कोई भी ब्राह्मण परस्त्री के साथ काम सम्बन्ध नहीं रखेगा। ब्राह्मण ही क्यों, बाकी लोग क्यों नहीं? कारण साफ है। इस समय के समाज में बौद्धिक और चारित्रिक नेतृत्व देने का काम ब्राह्मणों पर था और यदि समाज का नेतृत्व ही मर्यादाहीन हो जाएगा तो फिर कहाँ बचेंगे नियम और कहाँ बचेगी व्यवस्था? ब्राह्मण मर्यादा में आ गया तो वह समाज के बाकी वर्गों-वर्णों को मर्यादा का पालन करने को कह सकेगा, उसके अलावा ब्राह्मणों के लिए स्त्री पुरुष सम्बन्धों की मर्यादा तय करने के पीछे और क्या कारण हो सकता है?

यही श्वेतकेतु अपने युग के उद्भट विद्वान और उतने ही बड़े विचारक हुए। वेदव्यास का प्रताप यह समाज देख चुका था और वे अब परिदृश्य से हट चुके थे। तब याज्ञवल्क्य की दुन्दुभि सारे देश में बज रही थी। अपने पिता उद्दालक के साथ श्वेतकेतु भी एक बार जनक की ब्रह्मसभा में गए थे और अध्यात्म सम्वाद में याज्ञवल्क्य को अपनी बात नहीं मनवा पाए थे। पर इसके बाद का समय श्वेतकेतु का था और दार्शनिक ऊँचाईयों और सामाजिक मर्यादाओं की प्रतिष्ठा करने का दायित्व प्रारब्ध ने मानो इनके हिस्से में लिख रखा था।

शेष पृष्ठ 3 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

बदमाशी करने के बाद जनता के सामने मजाक भी बनाई जाएगी?

उत्तराखण्ड का अंकिता हत्याकाण्ड मामला न्याय के लिये तरस गया है जबकि इस प्रकरण में बड़े दिग्गजों के नाम उछल रहे हैं और जिस प्रकार से पूरे प्रदेश में नामों को लेकर चर्चा हो रही है वह बहुत ही शर्मनाक, समाज को डराने वाली, समाज को अशान्त करने वाली बात है। लगने लगा है कि बदमाशी करने के बाद जनता के सामने मजाक भी बनाई जा रही है। अपराध करने वालों को किसी का भय नहीं है।

अंकिता हत्याकाण्ड को लेकर पूरा प्रदेश शुरू से ही गुस्से में है और बार-बार हत्याकाण्ड के गुनाहगारों को फांसी की सजा की मांग की जा रही है। अभी तक के मामले में जितनी जाँच-पड़ताल हुई थी, उससे पीड़ित परिवार और लोग सन्तुष्ट नहीं थे, इस बीच सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो ने भूचाल सा ला दिया है। भाजपा नेता सुरश राठौर की पत्नी उर्मिला सनावर का वीडियो जिस प्रकार से वायरल हुआ है वह इतना तो बता ही रहा है कि ऊँची पहुँच वाले दबदबा रखते हैं। उर्मिला ने हत्याकाण्ड के लिये अपने पति और अन्य भाजपा नेताओं की संलिप्ता की बात कही है। यह बात भी चर्चा में है कि उर्मिला और सुरेश राठौर के बीच ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। वायरल वीडियो पर पूर्व विधायक और भाजपा से निष्कासित नूता सुरेश राठौर इसे एआई ऐ बनाया फर्जी वीडियो बता रहे हैं। दूसरी ओर आरती गौड़ की बातें भी वायरल हो रही हैं जिसमें वह उर्मिला पर निशाना साधते हुए अनाप-सनाप कहती हैं।

जिस प्रकार से बयानबाजियां और कतिपय महिला-पुरुषों का संग्राम सोशल मीडिया पर छाया हुआ है इससे संकेत मिल रहे हैं कि हत्याकाण्ड मामले में सफेदपोश हैं और इस प्रकार की गन्दगी करने वालों का गैंग प्रदेश में है। जब मामला नेताओं के नाम तक उछलने का हो तो पक्ष-विपक्ष की सतर्कता भी होती ही है। कांग्रेस सहित पूरा विपक्ष मामले को लेकर धारदार हो चुका है। आम जनता को राजनीति की धाराओं से हटकर न्याय की दृष्टि से पूरे मामले को समझना चाहिये। यह मामला अंकिता हत्याकाण्ड के अलावा उन गन्दगी का भी पर्दाफाश कर सकता है जो समाज में जहर फैला रहे हैं।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

अन्तरिक्ष प्रयोगशालाएं स्थापित होंगी

नई दिल्ली। 2047 तक अन्तरिक्ष क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर मजबूत पकड़ बनाने के लक्ष्य के साथ भारत ने अपने अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम को सृदृढ़ करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। इसी कड़ी में देशभर के चुनिन्दा उच्च शिक्षण संस्थानों में अत्याधुनिक 'अन्तरिक्ष प्रयोगशालाएं' स्थापित करने की तैयारी है।

एआई से आवार कुत्तों को काबू करेंगे

मुम्बई। बृहन्मुम्बई नगर निगम (बीएमसी) मुम्बई में आवारा कुत्तों की आबादी को काबू में रखने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल करेगा। इसका उद्देश्य आवार कुत्तों की सेहत, उसकी गतिविधियों और व्यवहार को बेहतर बनाने के साथ ही लोगों की सुरक्षा को बढ़ाना है।

अल्बानीज को हटाने को हस्ताक्षर अभियान

सिडनी। आस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए जानलेवा आतंकवादी हमले के बाद तीन लाख से ज्यादा लोगों ने आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के इस्तीफे और आप्रवासन नीति में बदलाव की मांग की है।

कार्की, ओली, देउबा माहौल बनाएंगे

काठमाण्डू। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की, पूर्व प्रधानमंत्रियों और तीन प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं शेर बहादुर देउबा, के.पी.शर्मा ओली और पुष्प कमल दहाल 'प्रचण्ड' ने 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव के लिए अनुकूल माहौल बनाने का संकल्प लिया। 8-9 सितम्बर 2025 के आन्दोलन के बाद ओली के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार सत्ता से हट गई थी और कार्यवाहक सरकार का गठन हुआ था।

शहबाज ने की बातचीज की पेशकश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ न देश में जारी राजनीतिक तनाव कम करने के लिए इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को बातचीज की पेशकश की। यह पेशकश पीटीआई संस्थापक इमरान खान आर उनकी पत्नी बुशरा बीबी को भ्रष्टाचार के एक मामले में 17-17 साल की जेल की सजा सुनाए जाने के कुछ दिनों बाद आई है।

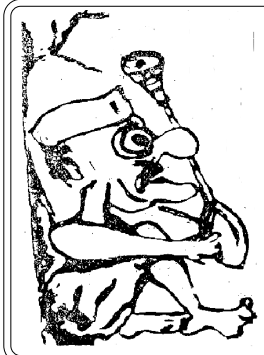

फसक

दाज्यू, सोशल मीडिया में भुती गए ठैरे

ऑनलाइन आर्डर में सबकुछ हाजिर हो रहा है बल

दाज्यू, सोशल मीडिया में गट्टू-गट्टू बहुत सुनाई दे रहा है। अंकिता हत्याकाण्ड का गुस्सा पब्लिक में है। आखिर सब हो क्या रहा है और हुआ क्या होगा? दाज्यू, हम यह सोचकर बहुत परेशान हैं कि दुनिया में कैसा जैसा हो रहा है। नत्थन सिंह ने तो गुस्से में हमने मोबाइल तक फोड़ डाला है। दाज्यू, सोशल मीडिया भुती गए ठैरे। किसका धन्धा और किसका फन्दा.. .....। भाजपा के निपष्कासित सुरेश राठौर पत्रकार वार्ता करत हुए कह रहे थे- 'उर्मिला सनावर ने मेरे परिवार को बर्बाद कर दिया। मैंने फैक्ट्री बेच उर्मिला को 50 लाख रुपए दिस। वह ब्लैकमेल कर रही है। मुझे पति भी कहती है और कालनेमि भी।' दाज्यू बहुत गजबज मची है। सच को गलत और गलत को सच कुछ भी कहते रहो कलजुग जो है।

ऑनलाइन आर्डर में सबकुछ हाजिर हो रहा है बल। थर्टी फस्ट को बुलरुवा भी पीकर पगली रहा था और कहने लगा- 'हम प्रोफेसर हैं। हमारा कोई कुछ नहीं उखाड़ सकता है।' दाज्यू, बहुत डर लगने लगा है कि नौकरी करते हुए बुलरुवा ने कितनों को कितनी जगह रौंदा होगा भगवान ही मालिक है। अर्जी-फर्जी सबकुछ इसी जमीन पर होने वाला हुआ। बाजपुर में एसटीएफ ने फर्जी रूप से बने सीबीआई अधिकारी दबोच लिया। इस फर्जी ने 80 साल के बुजुर्ग को वीडियो कॉल कर स्वयं को दिल्ली क्राइम ब्रांच का बताते हुए तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा था बल। रुद्रपुर के दिनेशपुर थाना क्षेत्र में शादी का वादा कर चार साल तक दुष्कर्म करने वाले के खिलाफ अब जाँच चल रही है। उधर किच्छा के लालपुर की नाबालिक बालिका को सोनू ने भगा लिया है। पीड़िता की दादी ने पुलिस से गुहार लगाई है।

दाज्यू, ठण्ड में मची लूटापाट, चोरी चकारी और अंट-संट समाचार मिलने पर हमारा सर भन्ना गया तो नैनीताल में विंटर कार्निवाल देखने चले गये थे। हमें क्या पता था कि सारे आयोजनों का हाल एक जैसा हो चुका है। फर्क इतना था कि सरकारी साब लोग इसमें थे और घम घमा घम.....। खूब मारकुटान मची होती रही आयोजन के समय और लोकल कलाकार रज्जन दा भी भुती गया था बल। कह रहा था- 'क्या फायदा ऐसे जाड़ा-गर्मी आयोजन का जिसमें उन्हें मौका नहीं मिलता है और पर्दे के पीछे दाल-भात खाने वाले आलराउण्डर बने हुए हैं।' दाज्यू, रज्जन दा की बात विचार करने वाली है कि गोबर को गुड़ क्यों कहें? पर विचार करके भी क्या जो हो जाएगा? जो उताड़ काट रहे हैं मौका उन्हें ही दिया जाता है। कर लेने दो मनमौज। दाज्यू, आयोजन में घमाघम और मारे ठण्ड के हमने हल्द्वानी को दौड़ लगा दी लेकिन कोहरे से ढके शहर को छोड़ रुद्रपुर का रुख कर लिया। तभी पता चला कि कौशल्या फेस दो निवासी सारांश की सड़क हादसे में मौत हो गई, चोरों ने शव से भी सोने की चेन और नकदी चुरा ली। मृतक के भाई ने पुलिस पर मामला दर्ज कराया है। दाज्यू, रुद्रपुर यात्रा का मजा भी दु:खभरा हो गया। क्या किया जाए? जिन्दा-मुर्दा किसी को नहीं छोड़ा जा रहा है। कौन किसकी चपेट में कितनी देर में आ जाएगा पता नहीं है। -तुम्हारा भुली झकरुवा

संघर्ष से ही हमारी....

प्रथम पृष्ठ का शेष

को रांची इलाज के लिये भेजा गया। इस बीच नौमी जी ने केन्द्रीय विद्यालय का फार्म भरा था और रानीखेत से बुलावा आया लेकिन यह नहीं जा पाई थीं। जीवन के तमाम उतार-चढ़ाव के बीच प्रद्युमन सिंह जी का इस भवसागर में विलुप्त हो जाना आज भी आश्चर्य भरा है। जीवन में तमाम तरह के झंझावत सभी के आते हैं लेकिन नौमी जी ने जिस प्रकार से अपने को साधा वह प्रेरित करता है। वह अपनी लगन से प्रोवेजन अधिकारी बनकर पीलीभीत गईं। इसके बाद राजकाज क्रम में अल्मोड़ा वापसी हुई और यहीं से जिला प्रोवेजन अधिकारी पद से सेवानिवृत्त हुई।

इस पूरी बातचीत में इतना भर नहीं है कि नौमी रावत जी का जीवनचक्र किस प्रकार रहा बल्कि यह बताता है कि महान सर्वेयर पं.नैनसिंह-पं.किशन सिंह जी का जब-जब नाम आता है तो इनकी पीढ़ियों का उल्लेख भी होता है। और यह जानकर सबको खुशी होती है कि परिवार की पीढ़ियां हमेशा उच्च पदों को सुशोभित करती रही हैं। हर सदस्य ने लगन के अलावा संघर्ष किया तभी मॉजिल पाई। नौमी रावत आज अपने परिवार के साथ एनटीडी अल्मोड़ा में अतीत की तमाम स्मृतियों के साथ नई पीढ़ी को प्रेरित कर रही हैं। इनके सुपुत्र दिग्विजय सिंह रावत भी किसी के परिचय के मोहताज नहीं हैं क्योंकि हमेशा से नया करने की सोच उन्हें सबसे अलग करता है। व्यापार के लिये नये प्रयोग के अलावा पत्रकारिता के क्षेत्र में भी वह जुड़े रहे हैं। हमेशा बेहतर सोच रखने वाले दिग्विजय समाज में सहज के साथ सहयोगी भी रहे हैं।

अस्ति रोग विशेषज्ञ डॉ.गणेश धर्मशक्तू सीनियर इनलैंड फेलोशिप से सम्मानित

हल्द्वानी। राजकीय मेडिकल कालेज के अस्ति रोग विभाग के प्रो. डॉ. गणेश सिंह धर्मशक्तू ने एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि अर्जित कर संस्थान का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। डॉ. गणेश सिंह को हाल ही में गुवाहाटी में आयोजित ऑर्थोपेडिक्स के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान इनलैंड फेलोशिप-2025 से सम्मानित किया गया।

इस सम्मान के लिए शैक्षणिक उपलिब्धयां, शोधकार्य, प्रकाशित व्याख्यानों की गुणवत्ता को प्रमुख मानदण्ड माना जाता है। देशभर से चयनित अत्यन्त सीमित एवं उत्कृष्ट प्रतिभागियों को ही यह प्रतिष्ठित फेलोशिप प्रदान की जाती है।

सम्मान मिलने पर प्रो.डॉ. गणेश सिंह ने उत्तराखण्ड ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. पुनीत अग्रवाल सहित चयन समिति का आभार जताया। प्राचार्य डॉ.जी.एस.तितियाल ने इस उपलब्धि पर प्रो.धर्मशक्तू का बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि अत्यन्त गर्व का विषय है। इस प्रकार की उपलब्धियां संस्थान की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं चिकित्सकीय उत्कृष्टता को और अधिक सुदृढ़ करती है।

खोलिया गांव में नशामुक्ति का ऐलान

अस्कोट। ग्राम पंचायत खोलिया गांव की पहली खुली बैठक में नशामुक्ति का प्रस्ताव पास किया गया है। सीधा सा ऐलान हुआ है कि सामाजिक कार्यक्रमों में नशा परोसने पर तीस हजार रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। प्रधान अंकिता पाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सबकी योजना, सबका विकास के तहत विभिन्न कार्य योजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई। ग्राम पंचायत विकास अधिकारी मोहम्मद रजा अंसारी, ग्राम विकास अधिकारी अक्षय धामी ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। ग्रामीणों ने तय किया किया कि जन्मदिन, नामकरण संस्कार, विवाह समेत सामान्य दिनों में भी कोई व्यक्ति नशा कर उत्पात मचाता पाया गया तो उसे दण्डित किया जायेगा। बैठक में सभी वार्ड सदस्य थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सामाजिक मर्यादा....

प्रथम पृष्ठ का शेष

वेदव्यास और यज्ञवल्क्य की परम्परा में श्वेतकेतु ने इस देश को कई तरह का लेखन दिया है। वात्स्यायन अपने जिस कामसूत्र के कारण आज बौद्धिकों और विज्ञापनों की दुनिया में खूब याद किए जा रहे हैं, उस कामसूत्र के प्रथम प्रणेता आचार्य नन्दी माने जाते हैं जिनके व्यक्तित्व और ग्रन्थ के बारे में कोई खास जानकारी और हमें नहीं मिलती। पर वात्स्यायन के कामसूत्र से ही पता चलता है कि श्वेतकेतु ने नन्दी के विशाल ग्रन्थ को पाँच सौ अध्यायों (या नियमों) में संक्षिप्त किया और वात्स्यायन ने उसी के आधार पर अपना प्रसिद्ध ग्रन्थ लिखा। हालाँकि श्वेतकेतु और वात्स्यायन के बीच भी कई कामशास्त्रकार हुए हैं, पर अब हमें प्राचीनतम कामसूत्र वात्स्यायन का ही मिलता है। उद्धरणों के मुताबिक अपने इसी कामसूत्र में श्वेतकेतु ने उन सामाजिक मर्यादाओं का नियमन किया जो उनके नाम के साथ परम्परा से जानी जाती है।

आगे चलकर जो अनेक ब्राह्मण ग्रन्थ लिखे गए थे, उनमें से एक है कौषीतकी ब्राह्मण और उस कौषतकी ब्राह्मण में श्वेतकेतु को यज्ञसंस्था का एक प्रमुख आचार्य माना गया है। या संस्था का प्रयोजन क्या है, इसमें विभिन्न पुरोहितों के यानी होता, उद्गाता, अध्वर्यु और ब्रह्मा के कर्तव्य क्या-क्या है, सज्ञसंस्था को कैसे त्रुटिहीन बनाया जाए, उस बारे में कई मौलिक उद्भावनाएँ आचार्य श्वेतकेतु को समर्पित की गई है। एक याज्ञवल्क्य थे जो यज्ञसंस्था और अध्यात्म दोनों एक समान अधिकार रखते थे एक थे एक थे श्वेतकेतु जो उसी विशिष्ट परम्परा की अगली कड़ी थे। पर इन दोनों आचार्यों ने या तो कुछ लिखा नहीं या बहुत ही कम लिखा (जैसे श्वेतकेतु ने कामसूत्र लिखा) पर लगता ऐसा ही है कि इन आचार्यों में एक आश्रम को आधार बनाकर वहाँ रहना और फिर लोगों के बीच और संगोष्ठियों में जाकर अपनी बात कहने के लिए निरन्तर देशाटन करना, यही स्वभाव ज्यादा रहा होगा। पर कुछ सदियों बाद लिखे गए ब्राह्मण ग्रन्थों और आरण्यक-उपनिषद साहित्य में इनके वक्तव्यों और विचारों का सार सुरक्षित हमारे देश के पास है जिससे इन विशिष्ट महापुरुषों के प्रखर व्यक्तित्व का हमें पता चलता है।

पर यही श्वेतकेतु, उद्दालक आरूणि जैसे दार्शनिक के पुत्र होने के बावजूद काफी बड़े हो जाने पर भी निरक्षर थे। पिता उद्दालक को यह अच्छा नहीं लगा। उन्होंने एक दिन श्वेतकेतु को अपने पास बुलाया और कहा, 'श्वेतकेतो वस ब्रह्मचर्यं, न वै सौम्य अस्मत् कुलीनोनूच्य ब्रह्बन्धुनित भवतीति।' श्वेतकेतु, अब तुम ब्रह्मचारी हो जाओ क्योंकि हमारे कुल में ऐसा कोई नहीं हुआ जिसने वेदों का स्वाध्याय नहीं किया हो। श्वेतकेतु ने पिता का आदेश माना और वे इसके बाद बारह वर्ष तक लगातार वेदों का अध्ययन करते रहे। वे बारहवें साल में वेद पढ़ना शुरू हुए, यानी वे पढ़ाई शुरू करने में चार- पाँच साल लेट हो गए थे। फिर जब वे चौबीसवें साल की अवस्था में गुरूगृह से अपने घर लौटे तो सम्पूर्ण वेदों का ज्ञान पर चुके थे- 'स ह द्वादशवर्ष उपेत्य चतुर्विंशतिवर्ष: सर्वान् वेदान् अधीत्य महामन अनूचानमानी.....।' यहाँ वेद सिर्फ चार वेदों का पर्यायवाची नहीं है। वेद का अर्थ है ज्ञान, उस समय का वह समस्त आवश्यक ज्ञान जो गुरूकुलों में शिष्यों को सिखाया जाता था।

श्वेतकेतु पढ़ लिख तो गए, पर साथ ही एक भारी गड़बड़ भी हो गई। जब वे विद्याकुल से वापस घर लौटे तो वे अपने ज्ञान को लेकर खूब घमण्डी हो गए थे- 'स्तब्ध एयाय।' यहाँ स्तब्ध का अर्थ है घमण्डी। पिता को अपने बेटे का घमण्ड पसन्द नहीं आया और जैसे कृष्ण ने अर्जुन का विषाद तोड़कर उसे युद्ध के लिए खड़ा कर दिया था वैसे ही उद्दालक ने श्वेतकेतु के घमण्ड को तोड़ने का फैसला किया। बस उसके बाद पिता पुत्र में जो सम्वाद हुआ वह इस देश के दार्शनिक इतिहास का एक प्रदीप्त मीलपत्थर बन गया है। छान्दोग्य उपनिषद के छठे अध्याय में संकलित यह सारा प्रकरण पढ़ने लायक है जिसकी एक बानगी देना अच्छा रहेगा। उद्दालक बोले, अरे श्वेतकेतु तुम अभी निरे बच्चे हो, पर इतने घमण्डी हो गए हो, जरा कुछ बातों का जवाब तो दो-यत्रु योम्य इदं अनूचानमानी स्तब्धोसि उत तमादेशमप्राक्ष्य:?

इसके बाद जो उद्दालक ने सवालों की झड़ी लगाई तो श्वेतकेतु का सिर चकरा गया। जरा सवाल देखिए-

1. वह कौन सी शक्ति है जिसे पा लेने के बाद हम वह भी जान लेते है। जिसके बारे में न कभी सुना है, न कभी सोचा है।
2. यह कैसे मालूम पड़ता है कि मिट्टी की बनी जितनी चीजें हमें देखने सुनने को मिलती है। उनमें एक चीज सर्व सामान्य है- मिट्टी?
3. यह कैसे मालूम पड़ता है कि सोने की बनी जितनी चीज हमें देखने सुनने को मिलती हैं उनमें एक चीज सर्व सामान्य है सोना?
4. जो लोहा नाखून काटने वाले औजार (नेल-कटर) में है वहीं लोहा हर दूसरे औजार में भी है, यह कैसे मालूम पड़ता है?

सवाल तो आसान ही थे। कोई भी इनका जवाब दे सकता था। पर घमण्ड? उससे कुण्ठित बुद्धि वाला कैसे जवाब दे पाएगा? श्वेतकेतु सिर पकड़ कर बैठ गया। बोला कि मुझे तो मेरे गुरु ने यह सब सिखाया ही नहीं। जब घमण्ड टूटा तो पिता ने अपने ज्ञानी पुत्र को ब्रह्म का उपदेश दिया जिसकी शिखर अभिव्यक्ति थी- तत्वमसि, तुम स्वयं वही परमब्रह्म हो।

सुधर गए श्वेतकेतु और बढ़ चले दर्शन की राह पर। पर उन्हें अपने युग का महानतम दार्शनिक बनाने में जो सबसे बड़ा कारण थी, वह थी उनकी पत्नी सुवर्चला। सुवर्चला? कौन? प्रतीक्षा करें?

(साभार नवभारत टाइम्स)

ज्योतिष की बातें- 262

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य कोई भी ग्रह राशि परिवर्तन नहीं हो रहा है। सम्पूर्ण सप्ताह सूर्य व मंगल दोनों मित्रराशि धनु में, बुध शुक्र व शनि समराशि धनु व मीन में क्रमश:, गुरु शत्रुराशि मिथुन में गोचर करेगा तथा चन्द्रमा इस सप्ताह कर्क, सिंह, कन्या व तुला राशि में क्रमश: गोचर करेगा।

श्री गणेश (संकष्टी) चतुर्थी व्रत- यह व्रत माघ कृष्णपक्ष चतुर्थी चन्द्रोदय व्यापिनी तिथि में रखा जाता है।

तदनुसार मंगलवार 6 जनवरी 2026 को संकष्टी चतुर्थी व्रत रखा जाएगा।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 152

संस्कारों में गहराई

कुछ ऐसे भी माता-पिता होते हैं जो अपनी जवानी में बिगड़े हुए थे। वे सोचते हैं कि हमारे बच्चे भी न बिगड़ें इसलिए वह अपने बच्चों को अपने से दूर रखते हैं। एक दो साल के होने पर डे केयर, प्ले ग्रुप, बोर्डिंग स्कूल फिर उच्चशिक्षा के लिए बहुत दूर भेज देते हैं। वे सोचते हैं कि हमारे दुर्गुण हमारे बच्चों में न आने पाएं लेकिन ऐसा होता नहीं है। माता-पिता से सर्वदा दूर रहकर भी जब वही बच्चे बड़े होते हैं तो उनमें माता-पिता के सभी गुण, लहजा, तौर-तरीका, हाव-भाव आदि आते ही हैं।

और देखिए आज के नवदम्पति पहले तो बच्चे पालना ही नहीं चाहते यदि गर्भ स्थापना हो भी जाती है तो उस गर्भावस्था के समय ही माता-पिता का चिन्तन आजकल क्या होता है! इसको खूब पढ़ाएंगे, डॉक्टर बनाएंगे, इंजीनियर बनाएंगे, आईएएस बनाएंगे। डीपीएस में पढ़ाएंगे, एम्स में एडमिशन कराएंगे, आईआईटी से पढ़ाएंगे, बहुत बड़ा आदमी बनाएंगे। हम दोनों ही नौकरी करके बहुत कमाएंगे, हम एक ही बच्चा करेंगे, सब कुछ उसी को देकर जाएंगे, प्रापर्टी का बंटवारा नही करना पड़ेगा। 'एक ही बच्चा करेंगे' यह वास्तव में स्वार्थ का 'क्लाइमेक्स' है। बच्चा जब गर्भ में रहता है तब और फिर जन्म लेने के बाद माता-पिता के इस चिन्तन का ऐसा प्रभाव पड़ता है कि बच्चा बड़ा होकर महास्वार्थी बनता है। अन्त में वह स्वार्थवश माता-पिता को भी छोड़ देता है।

इसलिए यदि माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे संस्कारवान हों तो उन्हें बच्चों को उपदेश देने के बजाय स्वयं को व्यवहार से और विचारों से भी संस्कारवान होना चाहिए ।

-ओंकार नाथ कोष्टा

अंकिता हत्याकाण्ड में सीबीआई जाँच की मांग को लेकर चारों ओर प्रदर्शन तेज

हल्द्वानी/अल्मोड़ा। अंकिता हत्याकाण्ड में सीबीआई जाँच की मांग को लेकर चारों ओर प्रदर्शन तेज हो चुके हैं। प्रदेश के सभी जनपदों में कैण्डल मार्च सहित महिलाओं ने जुलूस निकाल कर रोष जताया है और विपक्ष पूरी तरह मैदान में उतर चुका है। हल्द्वानी, काशीपुर, रुद्रपुर, ऋषिकेश, हरिद्वार, पौड़ी, कोटद्वार तमाम शहरों में कांग्रेस ने बड़े आन्दोलन करते हुए चर्चा में आए बड़े नेताओं की भूमिका जाँचने को कहा है। उत्तराखण्ड क्रान्ति दल गैरसैंण, देहरादून, पिथौरागढ़, नैनीताल सहित कई जगह जबर्दस्त प्रदर्शन कर चुका है। उपपा ने अल्मोड़ा, रामनगर सहित कई जगह प्रदर्शन किये हैं। मामले को लेकर जिस प्रकार से चर्चित महिलाओं के वीडियो वायरल हो रहे हैं और बड़े नेताओं का आरोप-प्रत्यारोप जारी है वह उत्तराखण्ड की राजनीति के आने वाले दिनों को भी तय कर रहा है कि कितने चेहरे बेनकाब होंगे और किस प्रकार की स्थितियां बन सकती हैं।

पर्यटन नीति की समीक्षा की मांग

अल्मोड़ा। उत्तराखण्ड में महिलाओं की अस्मिता की रक्षा और सरकार की पर्यटन नीति पर अंकिता भण्डारी प्रकरण को काला धब्बा बताते हुए उत्तराखण्ड लोक वाहिनी ने राज्य सरकार पर तीखा प्रहार किया है। संगठन ने मांग की है कि प्रदेश में वायरल हो रहे आरोप-प्रत्यारोपों की निष्पक्षता सामने लाने के लिये पूरे प्रकरण की सीबीआई जाँच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। रेवती बिष्ट की अध्यक्षता में में हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सरकार ने धार्मिक पर्यटन के नाम पर तीर्थ स्थलों को मौज मस्ती का अड्डा बना दिया है। पहाड़ों में खुलेआम शराब परोसी जा रही है, जिससे युवा नशे की गिरफ्त में जा रहे हैं। बैठक में कहा गया कि सरकार एसआईआर के माध्यम से पहाड़ों में वोटरों की संख्या कम कर विधानसभा सीटें घटाने का कुचक्र रच रही है। विवाहित महिलाओं और रोजगार के लिये बाहर गए लोगों को अपने वोट बचाने औरनए वोट बनवाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

स्त्री

कामकाज से निपट,
आज बालकनी में जा बैठी मैं।
कड़कड़ाती हुई इस ठण्ड में,
सूरज की नज़ाकत देख चकित थी मैं।।
लगता है सूर्य देव को भी खबर थी मेरी,
कि आज मंजू को मिलेगी थोड़ी छुट्टी।
वरना इस कोहरे में तो,
किस्मत ही रहती है कट्टी।।
सुबह की वो अमृत बेला,
और रजाई की वो रेशमी जेल।
भोर में जागना हम औरतों के लिए,
नहीं है किसी जंग से कम खेल।।
पाँच बजते ही मोबाइल का, वो सुलगता अलार्म।
मानो चीख कर कहता हो,
छोड़ो मंजू रजाई का मोह और काम पे लगो तमाम।।
आँखें मींचकर, उसे दो बार किया स्नूज़।
पर साढ़े पाँच होते ही, उड़ गए नींद के सारे फ्यूज़।।
उठकर धरती माँ को प्रणाम किया, गर्म पानी का घूंट भरा।
और फिर शुरू हुआ मेरा, झाड़ू-पोछा वाला मुशायरा।।
रसोई में घुसते ही, हाथ ऐसे चले जैसे कोई मशीन।
एक तरफ चाय खदबद, दूसरी तरफ आलू का हसीन सीन।।
टमाटर, मिर्च, धनिया, सब कटा सरपट।
पतिदेव का टिफिन पैक किया, जैसे हो कोई बजट।।
नाश्ता कराया, विदा किया, तब जाकर मिली थोड़ी शान्ति।
वरना सुबह की अफरा-तफरी, जैसे कोई बड़ी क्रान्ति।।
गुरु माँ कहती हैं, गृहस्थ जीवन में कर्म ही पूजा है।
कर्तव्य कर्म से बढ़कर, ना कोई काम दूजा है।।
फिर मन्दिर में लड्डू गोपाल को, जगाया, नहलाया और सजाया।
क्षमा करना प्रभु, अपना 'कर्तव्य धर्म' दोहराया।।
सासू माँ को चटनी खूब भाई, तो आशीर्वादों की बारिश हुई।
चलो भाई, आज की कुकिंग की रेटिंग 'फाइव स्टार' हुई।।
सोचा अब नाश्ता कर लूं, तो बाथरुम से कपड़ों ने आवाज दी।
मंजू! मशीन में डालो हमें, क्या हमें भूलने की कसम खा ली?
बर्तन धोए, कपड़े सुखाए, रसोई कर दी चकाचक।
एक घण्टे में निपट गए सारे काम, बिना किसी रोक- टोक।।
अचानक पेट में चूहों ने किया जब ताण्डव और धमाल।
तब घड़ी ने बताया, मंजू ग्यारह बज गए! बुरा है तेरा हाल।।
थकान तो है पैरों में, पर चेहरे पर है नूर।
जैसे कोई जंग जीत ली हो, उसका ही है सुरूर।।
ये बालकनी, ये कुनकुनी धूप, और ग़ुरसत के ये पल अब मेरे अपने हैं।
डायरी में उकेरूं वो बातें आज, जो स्त्री की शोभा हैं और स्त्री को बांधे हैं।।

-मंजू बोहरा बिष्ट,
गाजियाबाद उत्तर प्रदेश।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

शान्तिपुरी में 'दानपुर महोत्सव' ने भरा है जोश

हल्द्वानी/रुद्रपुर। शान्तिपुरी सत्संग आश्रम में नन्दा देवी मन्दिर प्रांण में दानपुर समाज कल्याण सोसाइटी द्वारा आयोजित तृतीय तराई-भाबर मिलन एवं दानपुर महोत्सव ने लोगों में जोश भरा है। इसका शुभारम्भ दानपुर के ईष्टदेवता डंगरियार राम्सिंह कोरंगा, चांचरी गायक जसपाल सिंह कोरंगा और सेवानिवृत्त जिला चिकित्साधिकारी डॉ.बी.सी.जोशी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने सोसाइटी को इस शानदार आयोजन के लिये शुभ कामनाएं दीं और दानपुर के सुदूर कपकोट, शामा, गोगिना, रामगंगा घाटी तथा पिण्डर घाटी से आए लोगों एवं कलाकारों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में पहाड़ी उत्पादों के स्टाल आकर्षण का केन्द्र रहे और लोगों ने खूब खरीददारी भी की। आयोजन की भली बात तो यह भी थी कि इसमें सम्बन्धित क्षेत्र से जुड़े कलाकारों को मान दिया गया। जाने-माने ढोल वादक मोहन राम और उनकी टीम ने छलिया नृत्य कर मोहा। आयोजक भूपेन्द्र कोरंगा, सुरेन्द्र कोरंगा और पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनोद कोरंगा ने अतिथियों का स्वागत किया। जिला पंचायत सदस्य प्रेम आर्या, किच्छा कोतवाल प्रकाश दानू, मोहन पाण्डे, राज्य आन्दोलनकारी ललित काण्डपाल, भूपेन्द्र कोरंगा, मोहन राम ढोली, गोपाल रावत, ऊर्जा निगम के मुख्य अभियन्ता शेखर त्रिपाठी, ललित एठानी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनोद कोरंगा, बिशन सिंह कोरंगा, दुग्ध संघ डायरेक्टर इन्दर सिंह मेहता, नारायण सिंह कोरंगा, देवेन्द्र सिंह कोरंगा, कल्याण सिंह रौतेला, पूर्व प्रधान नारायणी कोरंगा, प्रधान कविता तिवारी, प्रेम सिंह कोरंगा आदि मौजूद रहे।

आयोजन में लोक गायक ललित कपकोटी, कुन्दन कोरंगा, पुष्कर महर, नेहा कोरंगा, कमल मेहरा, पुष्पा देवी, राकेश खनवाल, धनसिंह कोरंगा, रामगंगा घाटी की पार्वती देवी ने सुरमय गीत प्रस्तुत किये। इस मौके पर वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में अभी तक हजारों जहरीले सर्पों को रेस्क्यू कर चुके शान्पिुरी निवासी सोनू कार्की, लोकविधा एवं बीणई वादक भाष्कर भौरियाल, ऊन एवं भेड़ उत्पादों के क्षें क्ष्ज्ञेत्र में पहचान रखने वाले श्रीराम चन्द्र, सोशल मीडिया में दानपुरी संस्कृति को नई पहचान देने वाली गीता कोरंगा तथा कम उम्र में राष्ट्रीय बॉलीबॉल खिलाड़ी बने जीतू दानू को दानपुर रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पर्वतीय क्षेत्रों से प्राधिकरण को समाप्त करने की मांग

काशीपुर। प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल व्यापार की जिला कार्यकारिणी की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के साथ ही मुख्य रूप से पर्वतीय क्षेत्रों से प्राधिकरण को समाप्त करने की मांग की गई।

प्रतिनिधि मण्डल के प्रान्तीय अध्यक्ष नवीन वर्मा की अध्यक्षता एवं प्रदेश महामंत्री प्रकाश चन्द्र मिश्रा के संचालन में हुई बैठक में तमाम सुझावों के बाद सहमति व्यक्त करते हुए इन मामलों पर अमल करने और सरकार से उन्हें पूरा कराने की मांग की गई। संगठन के कुमाऊं प्रभारी अश्वनी छावड़ा ने प्रदेश में मण्डी शुल्क को उत्तर प्रदेश की तर्ज पर लागू करने, आपदा में प्रभावित व्यापारियों को राहत का पात्र माने जाने, पर्वतीय क्षेत्रों से विकास प्राधिकरण पूरी तरह समाप्त करने आदि मांगें सरकार से की। प्रदेश सचिव अनिल अग्रवाल ने कहा कि कर विभाग द्वारा जीएसटी में रजिस्ट्रेशन की सीमा से बाहर हैं उन्हें भी सरकार रजिस्टर्ड व्यापारियों की तरह निशुल्क बीमा सुविधा उपलब्ध करवाये। इसके अलावा संगठन के चुनाव पर भी चर्चा करते हुए मुख्य बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया गया।

पर्वतीय क्षेत्रों में प्राधिकरण से हो रही दिक्कतों पर चर्चा में कहा गया कि पहाड़ की स्थितियों को देखते हुए पहाड़ से प्राधिकरण समाप्त होना चाहिये। अल्मोड़ा में लम्बे समय से इस मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन भी हो रहा है। बैठक में सत्यवान गर्ग, प्रमोद राजहंस, अमन बाली सहित बड़ी संख्या थी।

भुजगड़ नदी में झूलापुल बनने से मिलेगी राहत

थल/नाचनी। बांसबगड़ न्याय पंचायत क्षेत्र के सेलमाली गाँव में भुजगड़ नदी पर झूलापुल बनने से बारह गाँव के दस हजार से ज्यादा आबादी को राहत मिलेगी। पुल निर्माण से मुनस्यारी विकासखण्ड के सेलमाली, दाखिम, माणीधामी, दारमा, समकोट, डोकुला कोटा पन्द्रहपाला, डूंगरी, पांगरपानी, बजेता और रायां ग्राम पंचायतों के लोग को सुविधा होगी। क्षेत्रवासी लम्बे समय से गरारी की जगह झूलापुल बनाने की मांग कर रहे थे। क्योंकि जर्जर हो चुकी गरारी और उसके तारों से आए दिन कोई न कोई चोटिल हो जाता था और हर समय तार टूटने का खतरा रहता है। क्षेत्र प्रमुख कविता महर, ग्राम प्रधान रायां गजेन्द्र सिंह, प्रधान डूंगरी राधा देवी, प्रधान सेलमाली त्रिलोक सिंह महर ने कहा कि झूलापुल होने से बच्चे बूढ़े सबको बड़ी राहत मिलेगी। लोग जान जोखिम में डाल सफर कर रहे थे।

परिक्रमा

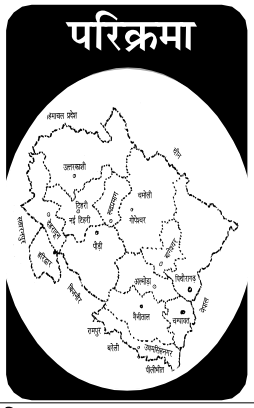

मदकोट में आन्दोलन के बाद मिला है आश्वासन

मुनस्यारी। सड़क संघर्ष समिति के आन्दोलन के बाद आश्वासन मिला है कि क्षेत्रवासियों की मांगें पूरी कर दी जाएगी। अपनी मागों को लेकर समिति ने जौलजीबी-मदकोट मार्ग पर चक्का जाम कर दिया जिससे शासन-प्रशासन हरकत में दिखाई दिया। सड़क जाम कर बैठे प्रदर्शनकारियों से मिलने एसडीएम खुशबू पाण्डे, तहसीलदार आशीष रौतेला, बीआरओ, लोनिवि अस्कोट के अधिकारी मौके पर आए और लिखित आश्वासन दिया। इसमें मदकोट बाईपास की मरम्मत करने, जौलजीबी-मदकोट (तल्ला बाजार) और मुनस्यारी मार्ग के आगणन का प्रस्ताव तैयार करने और मदकोट बाजार के रोड प्रभावितों को भूमि मुआवजे का ठोस प्रस्ताव दिया गया है। समझौता वार्ता में विधायक हरीश धामी, मनोहर टोलिया, प्रधान संदीप धामी, राजेश दरियाल, छत्र कोरंगा, ईश्वर भण्डारी आदि थे।

रामनगर में स्टोन क्रशर निर्माण पर रोक

रामनगर। हाईकोर्ट ने रामनगर के पापड़ी ग्राम में स्टोन क्रशर के निर्माण पर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश के साथ ही कोई निर्माण कार्य नहीं करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ ने याचिकाकर्ता सतनाम सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश पारित किए। याचिकाकर्ता की ओर से आरोप लगाया गया कि प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड (पीसीबी) के मानकों के विपरीत गांव में स्टोन क्रशर का निर्माण किया जा रहा है। नहर और नाले की भूमि पर भी निर्माण कार्य किया जा रहा है। इससे स्थानीय किसान और कृषि प्रभावित होगी। यही नहीं इससे कुछ ही दूर पर कथित रूप से प्राइमरी स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, मन्दिर और एक आश्रम मौजूद है। हाईकोर्ट ने पिछली बार सरकार को लाइसेंस न देने के निर्देश दिये थे।

आर्टिफिशियल टर्फ मैदान तैयार होगा

अल्मोड़ा। दो दिवसीय भ्रमण पर अल्मोड़ा पधारे सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सांसद खेल महोत्सव का शुभारम्भ करते हुए कहा कि खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिसे जीआईसी मैदान में हॉकी व फुटबाल के लिये दिन-रात्रि उपयोग हेतु बहुउद्देश्यीय आर्टिफिशियल टर्फ मैदान का निर्माण किया जाएगा। नगर निगम क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने और स्वच्छ हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु 200 सोलर लाइटें उपलब्ध कराई जाएंगी।प

समीर हत्याकाण्ड के दोषियों को सजा

रुद्रपुर। वर्ष 208 में प्रॉपर्टी डीलर समीर हत्याकाण्ड की सुनवाई करते हुए तृतीय अपर जिला जज ने हत्याकाण्ड के तीन दोषियों को आजीवन कारावास और दस दस हजार रुपये अर्थदण्ड देने की सजा सुनाई। साथ ही पुलिस प्रशासन को आदेशित किया कि हत्याकाण्ड के फरार तीन दोषियों को भी जल्द गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाए। ताकि सजा का ऐलान हो सके।

अंकिता हत्याकाण्ड पर हलचल जारी

भाजपा के अन्दर भी उठ रहे हैं सवाल, पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र सिंह रावत व पूर्व विधायक विजया बडथ्वाल ने तोड़ी चुप्पी

देहरादून। उर्मिला-सुरेश राठौर-आरती गौड़ के अन्दरूनी विवाद के गहराने के साथ ही अंकिता हत्याकाण्ड की गुत्थी सुलझने की उम्मीद की जा रही है। मामले को लेकर प्रदेश में जिस प्रकार का भूचाल आया है उसने सत्ता पक्ष की नींद हराम कर रखी है। भाजपा के अन्दर भी सवाल उठने लगे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत व पूर्व विधायक विजया बड़थ्वाल ने चुप्पी तोड़ते हुए अंकिता हत्याकाण्ड में सीबीआई जाँच की मांग की है। कांग्रेस भी सीबीआई की मांग कर रही है।

त्रिवेन्द्र रावत और यमकेश्वर से पूर्व विधायक बड़थ्वाल ने सख्त तेवर दिखाते हुए कहा कि न्याय होना ही पर्याप्त नहीं है, न्याय दिखना भी चाहिए। कहा कि हम किसी भी पार्टी के हो सकते हैं परन्तु हमारी बेटियों की प्रतिष्ठा, सम्मान और अस्मिता की रक्षा हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। महादेव की इस पवित्र भूमि पर यदि हमारी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं तो इस राज्य को संभालने का क्या अर्थ बचता है?

तमाम संगठन आन्दोलन में कूद पड़े हैं

मामले में राजनीतिक दलों अलावा तमाम संगठन कूद पड़े हैं और दोषियों को सजा की मांग कर रहे हैं। महिला मंच, मूल निवास भू कानून संगठन ने आन्दोलन को धार दी है। हरिद्वार में भाजपा से जुड़े मोर्चा के नेता अंकित बहुखण्डी के नेतृत्व में वीआईपी का पुतला दहन किया गया। प्रदेश में सुलगी इस आग को देख दुष्यन्त गौतम ने कहा कि मैं जाँच को तैयार हूँ। उनके खिलाफ सबूत लाएं। यदि दोषी पाया गया तो राजनीति से सन्यास ले लूंगा। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा है कि जब सत्ता, पैसा और रसूख का अनैतिक गठजोड़ होता है तब आम जनता की बेटियां कैसे सुरक्षित रह सकती हैं। कहा, नए तथ्यों के बाद सीबीआई जाँच अनिवार्य है।

पूर्व विधायक जुवांठा का निधन

पुरोला। पुरोला विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक राजेश जुवांठा का 22 सितम्बर 2025 को देहरादून के महन्त इन्दिरेश अस्पताल में निधन निधन हो गया। स्वास्थ्य कारणों से भर्ती राजेश की माता शान्ति देवी दो बार नगर पालिका चैयरमैन रही हैं। उनके भाई पीसीएस हैं जो सितारगंज में सेवा दे रहे हैं।

हीपा के होली महंत कार्की का निधन

थल। तहसील के दूरस्थ ग्राम हीपा के वरिष्ठ होल्यार व महन्त राम सिंह कार्की का निधन हो गया है। 85 वर्षीय कार्की ने 22 सितम्बर 2025 की सुबह अन्तिम सांस ली। वह होली के पारंगत थे और युवाओं को जोड़ते रहे।

कर्नल हरीश रौतेला का निधन

हल्द्वानी। जजफार्म निवासी और मूल रूप से कमस्यार घाटी के कर्नल हरीश रौतेला का विगत दिवस निधन हो गया। पाकिस्तान के साथ दो युद्ध लड़ने वाले रौतेला जी सामाजिकर्ता भी रहे हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

क्या होगा? जब अपशब्दों पर ही उलझे हुए हैं

प्रकरण को राजनीतिक रंग देने के बजाय इसकी जड़ पकड़नी होगी

-अंकिता हत्याकाण्ड में वीआईपी की पकड़ की मांग और प्रदर्शन
-उर्मिला सनावर की बयानबाजी से राजनीति में तूफान मच चुका
-आरती गौड़ भी साध रही हैं निशाना और मची है घमासान
-कांग्रेस और उक्रांद सहित विपक्ष भाजपा सरकार घेरने में लगे हैं
-भाजपा के बड़े नेताओं के भी बयान, सुलझे-उलझे बोल जारी

उत्तराखण्ड का चर्चित अंकित हत्याकाण्ड खुलासे के बजाय तूफान बना हुआ है। एक बालिका के साथ दुष्कर्म कर सबूत मिटाने जैसे कार्यों के खिलाफ जब पूरा प्रदेश आन्दोलन कर रहा हो, ऐसे में कौन बचाव कर रहा होगा? यह पहेली को सुलझाने के बजाय अनसुना करने का आरोप लगातार लगता रहा है और अब तो उर्मिला और आरती गौड़ के सोशल मीडिया पर कूदने और दूसरे बड़े नेताओं के बयान आने से जनता बहुत कुछ अनुमान लगाने लगी है कि प्रदेश में ठीक-ठाक तो नहीं चल रहा है। हर कोई इस बात पर चकित है कि कहे जा रहे अपशब्दों का क्या अर्थ है, किसका उपनाम है, कोई है भी या नहीं।

अंकिता हत्याकाण्ड में वीआईपी की पकड़ की मांग को लेकर प्रदर्शनों की बाढ़ आ चुकी है। कांग्रेस, यूकेडी सहित विपक्ष सरकार को घेरने में लगा है जबकि भाजपा के बड़े नेताओं के बयानों में उलझे-सुलझे बोल सुनाई दे रहे हैं। उर्मिला सनावर की बयानबाजी से राजनीति में तूफान मच चुका है। पूर्व विधायक सुरेश राठौर के साथ बन्धन में बंधी उर्मिला ने भाजपा के बड़े नेताओं सहित जिस प्रकार के आरोप लगाए हैं वह बहुत ही गम्भीर बात है। उर्मिला सोशल मीडिया पर भाजपा के दुष्यन्त गौतम का नाम लेते हुए आडियो प्रचारित कर चुकी है। दूसरी ओर पूर्व जिला पंचायत सदस्य आरती गौड़ ने भी निशाना साधते हुए जिस प्रकार से अपना पक्ष रखा है वह बहुत कुछ कही-अनकही है। आरती ने नेहरू कालोनी थाना देहरादून में मुकदमा दर्ज कर उर्मिला सनावर पर कार्रवाई की मांग की है। कहा है कि उर्मिला उनका नाम विभिन्न राजनीतिक व्यक्तियों से जोड़कर जानबूझकर बदनाम कर रही है। पार्टी के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट का कहना है बयानबाजी वाली महिला कांग्रेस के हाथों खेल रही है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी दुष्यन्त कुमार गौतम ने प्रदेश के गृह सचिव को पत्र लिखकर उनके छवि खराब करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस इन महिलाओं के बयान को लेकर रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ रही है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने दिल्ली में पत्रकार वार्ता करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया है कि अंकिता हत्याकाण्ड मामले की सीबीआई जाँच करवा दें। उनका आरोप है कि प्रदेश सरकार ने सीबीआई जाँच को रुकवाने का काम किया है। जाँच जरूरी है ताकि भविष्य में बच्चियों के साथ इस प्रकार का घिनौना कार्य न हो। किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ कहते हैं कि अंकिता हत्याकाण्ड में जांच के दायरे को सीमित करने पर सरकार की नीयत पर सन्देह होता है। विधायक उमेश कुमार कहते हैं मामले में स्वर्गीय अंकिता के मामले में जिसके पास भी सबूत हैं वह चटखारे लेने के बजाय दोषियों को सजा दिलाने में मदद करें। मामले में कई वीआईपी का नाम आया है और मेरा नाम भी घसीटने की साजिश रची गई।

कुल जमा पूरे प्रकरण पर देखा जा रहा है कि अंकिता को न्याय के लिये सुलगे उत्तराखण्ड में नेताओं का दबदबा बेकदर हो चुका है और बयानबाजी के साथ मामले उलझाने का खेल जारी है।

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
मो.न. 8958525979, 9411134775
फोन सम्पर्क- 05961-222236

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड, दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान)
मो.- 9760342346

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
नरेन्द्र सिंह रावत
सम्पर्क
7351285555

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)